

1. १००८ श्री आदिनाथ जी



वस्तु
गोवदत्व



चिह्न
बैल (वृषभ)



वर्ण
पीतवर्ण

यश्चिणीं
चक्रेशवर्णी

अर्ध

शुचि निरमल नीर गंध सु अक्षत, पुष्य चरू ले मन हरषाय।
दीप धूप फल अर्ध सु लेकर, नाचत ताल मृदंग बजाय॥
श्री आदिनाथजी के चरणकमल पर बलि बलि जाऊँ मनवच काये।
हे करूणानिधि भवदुख मेटो, यातैँ मैं पूजूं प्रभु पाय॥

ॐ ह्रीं श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्यपदप्राप्तये अर्द्ध निर्वपामीति स्वाहा।

आशाह कृष्णा-२



गर्भकल्याणक

चैत्र कृष्णा-९



जन्मकल्याणक

चैत्र कृष्णा-९



तपकल्याणक

फाल्गुन कृष्णा-११



केवलज्ञान कल्याणक

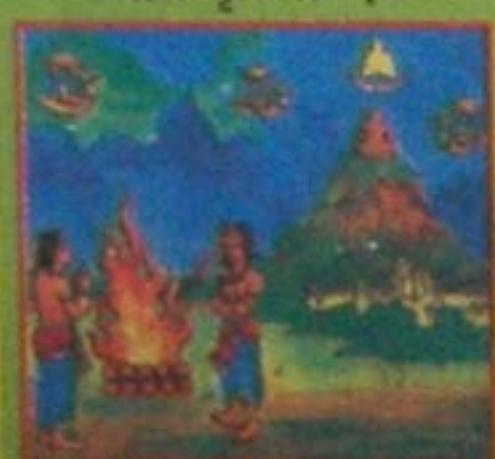
पिता: श्री नाभिराम राजा

माता: मरु देवी

मोक्ष स्थान कैलाश पर्वत



माघ कृष्णा-१४



मोक्षकल्याणक